प्रश्न उत्तर

प्रस्तुति-मधुलता

प्रश्न हमारे उत्तर श्री अशोक 'मानव' जी के

प्र०	नकारात्मक ऊर्जा से कैसे बचा जाये?
उ०	नकारात्मक ऊर्जा को रोकने के लिये सबसे अच्छा तरीका यह है कि अपने ईष्ट पर विश्वास हो। अपनी इच्छा शक्ति को कमजोर न होने दें। अपने अन्दर नकारात्मक विचार न आने दे । जहाँ से नकारात्मक ऊर्जा आ रही है उसका स्वरूप आप अपने अन्तर्दष्टि में न आने दें। तो आपके अन्दर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नही कर पायेगी।
प्र०	अगर कोई हमारे ही घर में है कैसे बचें?
उ०	१- कभी आप किसी का बुरा न चाहें। सकारात्मक सोच रखें। २- अपने इष्ट पर पूर्ण विश्वास हो । ३- जो करना चाहते हैं उसके प्रति कभी निराशाजनक विचार न आने पायें। ४- जहाँ से नकारात्मक ऊर्जा पैदा हो रही है उसके स्वरूप को अपने अन्तदृष्टि में न बनने दें। वह आपके कितने भी नजदीक हो शरीर से उसके पास बैठें हो सब कुछ कर रहें हो लेकिन उसके बारे में न आप अच्छा सोचें और न बुरा सोचें स्वयं को उसके लिये सामान्य कर दें। अपनी अन्तर्दृष्टि में उसका स्वरूप भी न बनने दें जब उसके बारे में नही सोचेगें तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा आपके अन्दर प्रवेश नही कर पायेगी। कोई भी चीज रूट्स पर चलती है । अगर वह आपके नजदीक है तो नकारात्मक ऊर्जा भी (राक्षसी प्रवृत्ति) उसको अपना माध्यम बनाकर आप तक पहुँचने का प्रयास करती है। कभी कोई अपना बहुत करीबी है। कोई अपने साथ रह रहा है या कभी किसी से आपका कोई सम्बन्ध बना रहा और अब दूर हो गया है। किसी कारणवश दूर होने के साथ-साथ वह आपके लिये नकारात्मक ऊर्जा छोड़ रहा है या अपनी इच्छानुसार आपमें परिवर्तन करना चाहता है। या आपको मिटाना चाहता है। इस तरह की ऊर्जा वह छोड़ रहा है। चूँकि वह शरीर आपके नजदीक रह चुका है। तो प्रकृति की नकारात्मक ऊर्जा जो आपके विरोधी है उसकी सहयोगी नही है। इसमें दो प्रकार की ऊर्जा होती है। एक तो वह नकारात्मक ऊर्जा जो उस व्यक्ति की सहयोगी है जो उसके स्वभाव से मिलती है जो उसका सहयोग कर रही है। दूसरी ऊर्जा आपकी नकारात्मक ऊर्जा जो प्रकृति में आपके विरोधी है। वह चाहे अपनों से हो या पूर्व जन्म से हो या जो प्रकृति में जो आपके स्वभाव के विपरीत हो, तो उस व्यक्ति को जो आपके विरोधी हुआ है, उसको माध्यम बनाकर उसको प्लेटफार्म बनाकर आप तक पहुँचने का प्रयास करेगी। जब उसका स्वरूप आप अपनी अन्तर्दृष्टि में नही बनने देगें उसे भूल जायेगें। उसके बारे में नही सोचेगे तो इस तरह की नकारात्मक ऊर्जा को आप तक पहुँचने का माध्यम नहीं मिलेगा। आप सुरक्षित रहेगें। और दूसरा तरीका यह है कि जब आप किसी का बुरा नही चाहते है और अच्छा स्वभाव रखते है। तो आपके अन्दर नकारात्मक ऊर्जा पनपने का कोई कारण नहीं बनता। जैसे चीटी नमक में नही सरवाइव कर सकती है केवल चीनी में सरवाइव कर सकती है । उसी तरह नकारात्मक ऊर्जा को सरवाइव करने के लिये उस तरह का पदार्थ उस तरह की मिट्टी भी चाहिये। जिसमें वह जीवित रह सके। जिसमें जनसंख्या बढ़ा सके उचित वातावरण मिल सके। तो उस तरह का वातावरण आपके अन्दर नही मिलेगा। अगर आपके अन्दर नकारात्मक ऊर्जा नही है आपकी मिट्टी (आपका शरीर) नकारात्मक ऊर्जा के लिये नमक का काम करेगी (जैसे चीटी के लिये नमक) इस तरह से व्यक्ति नकारात्मक ऊर्जा से बच सकता है।